



दुमका-झारखण्ड। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. जयमाला बहन।



शोभापुरा-उदयपुर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज के शोभापुरा सेवाकेन्द्र के प्रथम वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में गीताजलि हॉस्पिटल के डॉ. कमल किशोर बिश्नोई, जनरल सर्जन, डॉ. ममता बिश्नोई, डॉ. शब्दिका, गायनेकोलॉजिस्ट, डॉ. डिम्पी बिश्नोई, डॉ. गणेश गुप्ता, उदयपुर मोती मगरी स्कीम सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रीता बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रीमा बहन, ब्र.कु. शान्ति बहन, ब्र.कु. रत्ना बहन, ब्र.कु. रश्मि बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



नांगल-टीडीआई सिटी(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा सोनीपत जेल में पुलिस कर्मियों एवं कैदियों के लिए आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता बहन एवं ब्र.कु. पूजा बहन ने सभी को परमात्म संदेश दिया।



अजमेर-शास्त्री नगर(राज.)। महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी अजमेर के डीन शिव कुमार को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. ओम प्रकाश भाई एवं ब्र.कु. रमेश भाई।



कूच बेहर-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज की ओर से एस.बी.आई. बैंक स्टाफ के लिए 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सम्पा बहन, बैंक के रिजलनल चीफ मैनेजर अनुपम बासु तथा अन्य स्टाफ।



मोकामा-बिहार। ब्रह्माकुमारीज द्वारा शहर के गौशाला रोड, श्याम मार्केट स्थित दुर्गा मंदिर के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग एवं मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्र.कु. निशा बहन, नगर परिषद सभापति निलेश कुमार माधव, योगाचार्य गौरव कुमार तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।



ज्ञानसरोवर-मा.आबू। ब्रह्माकुमारीज के महिला प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, अध्यक्ष, महिला प्रभाग, राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, अति. महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग, राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी, राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग, राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी, अध्यक्ष, कला एवं संस्कृति प्रभाग, प्रो. आनंद पालीवाल, सदस्य, भारतीय विधि आयोग, संगीता बेनीवाल, अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राज. एवं रनू भाटिया, चैयरपर्सन, हरियाणा महिला आयोग।



वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी, माउण्ट आबू

लौकिक में जब आप महसूस करते हैं कि हम फलाने कुल के हैं, इस जाति के हैं, इस खानदान के हैं, हमारा तो बहुत बड़ा मान-मर्तबा है। ये महसूसता होती है तो उस रॉयल्टी से व्यक्ति चलता है ना, कि भाई हमारे घर में ऐसा नहीं हो सकता है, हमारे खानदान में ऐसा नहीं चलता है, हमारे समाज में तो ऐसे नियम हैं। वो लौकिक महसूसता है। ये अलौकिक महसूसता है कि हम कौन हैं, किसके बच्चे हैं और किस कार्य के लिए

जरा सोचें...

अब हम आत्माओं से, धर्मात्माओं से, देवात्माओं से, मनुष्यात्माओं से बुद्धि लगा के नहीं बैठे। अब हम अपना योग परमात्मा से लगाकर बैठे हैं। तो अपनी इस ऊँचाई को, वास्तविकता को, सत्यता को रियलाइज करना है, और उस रियलाइजेशन में हम रहते हैं तो हम अपनी ऊँची अवस्था रख सकते हैं।

तो बिल्कुल बुद्ध हैं, कुछ आता नहीं है। तो वो टाइल एकदम लग जाते हैं कि- 'मेरे को बुद्ध कहा!' क्या समझते हैं? मेरे को मूर्ख कहा! मनुष्य का दिया हुआ टाइल लग जाता है और बाबा कितने टाइल देते हैं? वो नहीं लगता है! वहाँ कहेंगे मुझे बुरा लग गया, क्योंकि हमने अपना लेवल अभी भी वही साधारण, लौकिक रखा है। हम आपस में ऊँचे नहीं उठे। आपस में कॉमन ही बने रहते हैं तो एक-दो की बातें लग जाती हैं। पर आप ज्ञान स्वरूप बन जाओ, सेन्सीबुल बन जाओ, समझदार बन जाओ, आप

कोई आपसे मिलने आते हैं, आप आत्मअभिमान हैं, तो आपको तुरंत उनकी बातों का प्रभाव नहीं पड़ेगा। कोई दुःख की बात करते हैं, कोई एक्सीडेंट की बात करते हैं, कोई किस प्रॉब्लम की। आज हरेक के मन में क्या है, बताइये? यही बातें हैं ना! अगर आप भी कॉमन लेवल पर हैं तो आपको भी ये होगा क्या हुआ, किसका एक्सीडेंट हुआ, फलाना हुआ? अगर आप आत्मअभिमान हैं, बाबा की याद में हैं, अपने-आपको देहभान से न्यारा रखने की प्रैक्टिस करते हैं, तो बात का प्रभाव नहीं आयेगा। हैं,

सदा खुश रहने का तरीका- अवस्था को अचल-अडोल बनायें

अब हम निमित्त हैं। तो अगर ये रियलाइजेशन है तो कोई, कोई कैसा भी हो, कैसा भी स्वभाव-संस्कार हो, व्यवहार हो तो मुझे कैसे व्यवहार करना है? बेशक मुझे कोई बुद्ध नहीं बनना है, मूर्ख नहीं बनना है, पर जो भी करना है वो भी ढंग से करना है। समझदारी से, अलौकिकता से करना है।

तो अगर खुद ज्ञान स्वरूप हैं तो आप इस प्रकार से सोचेंगे। रिएक्शन नहीं आयेगा और आपका व्यवहार ठीक चलेगा। पर ज्ञान हो। क्यों बाबा, दादियां, बहनें कहती हैं कि - 'रोज क्लास करें, रोज मुरली सुनो'। क्योंकि जब हम ज्ञान-रत्नों से भरपूर होंगे तो हमारी मन्सा ठीक रहेगी। उसने ऐसा-ऐसा बोला मैं डिस्टर्ब हो गयी, पर क्यों हो गयी? मुझे क्यों होना है? बोला तो उसने है ना, उनको वाणी खराब थी। मुझे क्यों अवस्था बिगाड़नी चाहिए? मुझे क्यों स्वीकार करना चाहिए? मैंने ऐसा किया नहीं है, मैं ऐसी हूँ नहीं। तो मैं क्यों स्वीकार करूँ? बाबा कहते हैं ना - आपस में कुछ भी एक-दो को कहते हैं, आप

अपनी रूहानियत में स्थित हो जाओ।

भल हमें मिलके पुरुषार्थ करना है, बाबा कहते हैं - संगठन में रहते हुए, व्यक्तिगत पुरुषार्थ में रहे, अपने आपको ज्यादा रूहानी बनाओ, अलौकिक बनाओ, और उसके लिए बाबा ने जो कहा है वो टाइल रियलाइज करो कि हम ज्ञानी तू आत्मा हैं, 'सत्य-ज्ञानी' आत्मा हैं। भल दुनिया में बहुत पढ़े-लिखे हैं, पर आत्म-स्थिति को उच्च, शुद्ध, शक्तिशाली, एकरस बनाना वो ज्ञान तो वहाँ नहीं है ना बेचारों के पास! हम सत्य-ज्ञानी आत्मायें हैं। हम परमात्म-योगी हैं। अब हमारा योग किससे है? डायरेक्ट भगवान से। अब हम आत्माओं से, धर्मात्माओं से, देवात्माओं से, मनुष्यात्माओं से बुद्धि लगा के नहीं बैठे। अब हम अपना योग परमात्मा से लगाकर बैठे हैं। तो अपनी इस ऊँचाई को, वास्तविकता को, सत्यता को रियलाइज करना है, और उस रियलाइजेशन में हम रहते हैं तो हम अपनी ऊँची अवस्था रख सकते हैं।

जो हुआ उसके लिए हम अच्छा क्या कर सकते हैं, वो करना है। तो बहुत छोटी-छोटी कॉमन बातों में हम अपनी स्थिति ऊँची-नीची करते ही रहते हैं।

कोई चीज फूट गई, एक चीज के पीछे-कैसे फूट गई, क्या हुआ, ध्यान नहीं दिया, अरे कितनी वैल्युएबल थी। चीज के लिए अवस्था बिगाड़ देते हैं। चीज वैल्युएबल या अवस्था वैल्युएबल? ठीक है, हम शान्ति से कह रहे हैं कि बहुत अच्छी चीज थी, सम्भालने जैसे थी, थोड़ा ध्यान से करिये। हम ऐसे भी तो कह सकते हैं ना! पर अवस्था बिगाड़ के नहीं कहें। फिर हमारे शब्द भी बिगड़ेंगे, उसकी भी अवस्था बिगड़ेगी। फिर घण्टा, दो घण्टा, चार घण्टा प्रभाव चलेगा, आपस में मुँह चढ़ जायेंगे। बोलना भारी हो जायेगा, होती है ना ये सब चीजें! वैल्युएबल क्या है? हमें हर चीज सम्भालनी है। पर चीजें हमारे लिए हैं। हमारी अवस्था उन चीजों के लिए नहीं। तो प्रैक्टिकल में हमें अचल-अडोल बनना है।



दिल्ली-सीता राम बाजार। ए-वने-गालिब ऑडिटोरियम में नशा मुक्ति अभियान के उपलक्ष्य में नशा छोड़ने की प्रतिज्ञा करते हुए ब्र.कु. गुंजन बहन। प्रतिज्ञा करते हुए डॉ.सीपी, एसएचओ तथा अन्य।



मीरगंज-गोपालगंज(बिहार)। उच्चकांगवा थाना परिसर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' कार्यक्रम के दौरान मौजूद हैं थानाध्यक्ष सुभाष कुमार, एसआई कामेश्वर प्रसाद, एसआई मनीष कुमार, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. उर्मिला बहन, ब्र.कु. रुबि बहन, ब्र.कु. विनोद भाई तथा अन्य पुलिस स्टाफ।